दैनिक नगर छाया
आप की आवाज.....
WWW.nagarchhaya.com

उर्वरकों के संतुलित प्रयोग से बढ़ेगी मृदा में जैविक कार्बन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र, हजरतपुर के वैज्ञानिकों द्वारा ग्राम मेहरी में उर्वरकों का संतुलित प्रयोग विषय पर गोष्ठी एवं ग्राम भ्रमण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में किसानों को विभिन्न फसलों में खादों के संतुलित उपयोग के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। गोष्ठी के दौरान केंद्र प्रभारी डॉ. विनोद प्रकाश ने किसानों को बताया कि जैविक खादों के उपयोग से भूमि की उर्वराशक्ति बढ़ती है, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होता है और लागत में कमी आती है। उन्होंने मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों के संतुलित उपयोग पर विशेष जोर दिया। वैज्ञानिक डॉ. नौशाद आलम ने कहा कि फसलों की अच्छी पैदावार के लिए उर्वरकों का संतुलित एवं वैज्ञानिक ढंग से प्रयोग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने रासायनिक उर्वरकों के साथ जैव उर्वरकों के समन्वित उपयोग की सलाह दी, जिससे बेहतर उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है।

पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. ओमकार सिंह यादव ने बताया कि बिना मृदा परीक्षण के अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों के प्रयोग से भूमि की उर्वरता घटती है, उत्पादन लागत बढ़ती है और पर्यावरण पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने किसानों को समय-समय पर मिट्टी की जांच कराने और उसी के अनुसार उर्वरकों के उपयोग की सलाह दी। उद्यान वैज्ञानिक डॉ. पृथ्वी पाल ने मृदा में घटते जैविक कार्बन स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुए हरी खाद, सड़ी हुई गोबर की खाद, नाडेप एवं वर्मी कम्पोस्ट जैसे जैविक खादों के अधिक उपयोग पर बल दिया। उन्होंने किसानों को सुझाव दिया कि पशुओं के गोबर को इधर-उधर फेंकने के बजाय खेत में गड्ढा बनाकर वैज्ञानिक विधि से खाद तैयार करें। इस कार्यक्रम में ग्राम मेहरी के 50 से अधिक किसान एवं कृषक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता विशेष रूप से सराहनीय रही। साथ ही, कृषक श्री प्रमोद कुमार ने वैज्ञानिकों की टीम के साथ ग्राम भ्रमण कर जागरूकता कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया।

44.3°
अधिकतम
25.1°
न्यूनतम

www.twitter.com/
worldkhabarexpress

www.facebook.com/
worldkhabarexpress

www.youtube.com/
worldkhabarexpress

WORLD
खबर एक्सप्रेस

उर्वरकों के संतुलित प्रयोग से बढ़ेगी मृदा में जीवांश कार्बन

वर्ल्ड खबर एक्सप्रेस

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र हजरतपुर के वैज्ञानिकों ने ग्राम मेहरी में उर्वरकों के संतुलित प्रयोग पर गोष्ठी एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान किसानों को विभिन्न फसलों में खाद के संतुलित उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। केंद्र प्रभारी डॉ. विनोद प्रकाश ने बताया कि जैविक खादों के उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढ़ती है, जिससे उत्पादन की गुणवत्ता सुधरती है और लागत में कमी आती है। उन्होंने मृदा में सूक्ष्म पोषक तत्वों के संतुलित प्रयोग पर भी जोर दिया।वैज्ञानिक डॉ. नौशाद आलम ने कहा कि बेहतर पैदावार के लिए उर्वरकों का वैज्ञानिक एवं संतुलित उपयोग जरूरी है। रासायनिक उर्वरकों के साथ जैव उर्वरकों का प्रयोग करने से उत्पादन में सुधार होता है। पशुपालन वैज्ञानिक डॉ. ओमकार सिंह यादव ने बताया कि बिना मृदा परीक्षण के अंधाधुंध रासायनिक उर्वरकों का उपयोग भूमि की उर्वरता को नुकसान पहुंचाता है, साथ ही लागत बढ़ाता और पर्यावरण को भी प्रभावित करता है। उन्होंने किसानों को समय-समय पर मिट्टी की जांच कराने की सलाह दी।उद्यान वैज्ञानिक डॉ. पृथ्वी पाल ने मृदा में घटते जीवांश कार्बन पर चिंता जताते हुए हरी खाद, सड़ी गोबर खाद, नाडेप और वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने किसानों को गोबर को खेत में गड्ढा बनाकर वैज्ञानिक तरीके से खाद तैयार करने की सलाह दी। कार्यक्रम में ग्राम मेहरी के 50 से अधिक किसान और कृषक महिलाओं ने भाग लिया। इस दौरान कृषक प्रमोद कुमार ने वैज्ञानिकों के साथ भ्रमण कर कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग दिया।

उर्वरकों के संतुलित प्रयोग से बढ़ेगी मृदा में जीवांश कार्बन

संवाददाता/ डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र हजरतपुर के वैज्ञानिकों द्वारा उर्वरकों का सन्तुलित प्रयोग विषय पर ग्राम मेहरी में गोष्ठी एवं ग्राम भ्रमण जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों को विभिन्न फसलों में खादों के सन्तुलित उपयोग के बारे में जानकारी दी गयी। गोष्ठी में केन्द्र प्रभारी डा विनोद प्रकाश द्वारा किसानों को बताया गया कि जैविक खादों के उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होती है। जिससे उत्पादों की गुणवत्ता में वृद्धि तथा उत्पादन लागत में कमी आती है। उन्होंने मृदा में शूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग पर बल दिया। वैज्ञानिक डा नौशाद आलम ने बताया कि फसलों की अच्छी पैदावार के लिये उर्वरकों की सन्तुलित एवं वैज्ञानिक ढंग से करना बहुत जरूरी है उन्होंनें बताया की रसायनिक उर्वरकों के साथ-साथ जैव उर्वरकों का प्रयोग करने से अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है। वैज्ञानिक पशुपालन डा ओमकार सिंह यादव द्वारा बताया कि बगैर मृदा परीक्षण के अंधाधुंध रसायनिक उर्वरको के उपयोग से न केवल भूमि की उर्वरता शक्ति में कमी आती है बल्कि उत्पादन लागत भी बढ़ती है साथ ही पर्यावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है उन्होने सलाह दी की किसान भाई समय-समय पर मिट्टी की जॉच अवश्यक कराये जिससे पता चल से की भूमि में किन किन पोषक तत्वों की कमी है। उसी के अनुसार ही रसायनिक उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी।

वैज्ञानिक उद्यान डा पृथ्वी पाल ने मृदा में जीवॉश कार्बन के निम्न स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुये हरी खाद, सड़ी गोबर की खाद एवं अन्य जैविक खादों जैसे नाडेप व वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही उन्होंने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं का गोबर सड़क के किनारे व खाली पड़ी अन्य जगहों पर न डालकर अपने खेत पर गड्ढा बनाकर विधिवत तरीके से गोबर की खाद तैयार करे। कार्यक्रम में ग्राम मेहरी के लगभग 50 से अधिक कृषक व कृषक महिलाओ ने भाग लिया। जिसमें कृषक महिलाओं ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। जिसमें कृषक प्रमोद कुमार ने वैज्ञानिकों की टीम एवं कृषक व कृषक महिलाओं के साथ भ्रमण कर जागरुकता कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

Now access Dinar Times ePaper For FREE! Whatsapp 92195 22349 Send Messege Type EDT

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 17 अंक : 293 कानपुर, बुधवार 29 अप्रैल 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

उर्वरकों के सन्तुलित प्रयोग से बढ़ेगी मृदा में जीवॉश कार्बन

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र हजरतपुर के वैज्ञानिकों द्वारा उर्वरकों का सन्तुलित प्रयोग विषय पर ग्राम मेहरी में गोष्ठी एवं ग्राम भ्रमण जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें किसानों को विभिन्न फसलों में खादों के सन्तुलित उपयोग के बारे में जानकारी दी गयी। गोष्ठी में केन्द्र प्रभारी डा0 विनोद प्रकाश द्वारा किसानों को बताया गया कि जैविक खादों के उपयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति में वृद्धि होती है। जिससे उत्पादों की गुणवत्ता में वृद्धि तथा उत्पादन लागत में कमी आती है। उन्होंने मृदा में शूक्ष्म पोषक तत्वों के उपयोग पर बल दिया। वैज्ञानिक डा0 नौशाद आलम ने बताया कि फसलों की अच्छी पैदावार के लिये उर्वरकों की सन्तुलित एवं वैज्ञानिक ढंग से करना बहुत जरूरी है उन्होंनें बताया की रसायनिक उर्वरकों के साथ-साथ जैव उर्वरकों का प्रयोग करने से अच्छा उत्पादन प्राप्त होता है। वैज्ञानिक पशुपालन डा0 ओमकार सिंह यादव द्वारा बताया कि बगैर मृदा परीक्षण के अंधाधुंध रसायनिक उर्वरको के उपयोग से न केवल भूमि की उर्वरता शक्ति में कमी आती है बल्कि उत्पादन लागत भी बढ़ती है साथ ही पर्यावरण पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है उन्होने सलाह दी की किसान भाई समय-समय पर मिट्टी की जॉच अवश्यक कराये जिससे पता चल से की भूमि में किन किन पोषक तत्वों की कमी है। उसी के अनुसार ही रसायनिक उर्वरकों का उपयोग करने की सलाह दी। वैज्ञानिक उद्यान डा0 पृथ्वी पाल ने मृदा में जीवॉश कार्बन के निम्न स्तर पर चिंता व्यक्त करते हुये हरी खाद, सड़ी गोबर की खाद एवं अन्य जैविक खादों जैसे नाडेप व वर्मी कम्पोस्ट के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही उन्होंने बताया कि किसान भाई अपने पशुओं का गोबर सड़क के किनारे व खाली पड़ी अन्य जगहों पर न डालकर अपने खेत पर गड्ढा बनाकर विधिवत तरीके से गोबर की खाद तैयार करे। कार्यक्रम में ग्राम मेहरी के लगभग 50 से अधिक कृषक व कृषक महिलाओ ने भाग लिया। जिसमें कृषक महिलाओं ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। जिसमें कृषक प्रमोद कुमार ने वैज्ञानिकों की टीम एवं कृषक / कृषक महिलाओं के साथ भ्रमण कर जागरूकता कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।